अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट, फरवरी - 2023

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न-पत्र कोड : 2/5/1, 2/5/2, 2/5/3

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है, क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उत्तरों को समझें, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए |
5. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं | ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं | यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए |
6. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
7. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
8. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
9. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
10. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें, उन्हीं पर अंक दें।

ZOLLEGE.in

11. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
12. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
13. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है । प्रतिदिन मुख्य विषयों की **20** उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
14. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं -

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश का मूल्यांकन किए बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- गलत प्रश्नवार आवरण पृष्ठ पर योग।
- आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग ठीक न होना।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो।
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो, किंतु अंक न दिए गए हों।

15. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
16. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
17. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
18. परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
19. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर-पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है। समस्त परीक्षकों / अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों / मुख्य परीक्षकों पुनः स्मरण कराया जाता है - वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन, मार्किंग स्कीम में दिए मूल बिंदुओं के अनुसार, सख्ती से किया गया है।

ZOLLEGE.in

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

फरवरी - 2023

अंक योजना : हिंदी आधार (302) प्रश्न-पत्र गुच्छ संख्या 2/5/1, 2/5/2, 2/5/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।**
- **वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं, बल्कि ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।**
- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/5/1	2/5/2	2/5/3		
				खंड 'अ' **(बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)**	
1	1	2	1		10x1=10
	(i)	(i)	(i)	(c) समस्त मानव-जाति के प्रति कल्याण की भावना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(a) आत्मा का सार्वभौमिक चेतना से मिलन का	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) योग के महत्त्व का	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) शरीर को स्वस्थ बनाने के महत्त्व के कारण	1
	(v)	(v)	(v)	(a) संचार-सेवा के लिए उपलब्ध नि:शुल्क फोन नंबर	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(a) दोनों का लाभ सबके द्वारा प्राप्त किया जा रहा है	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(d) योग को जीवन का प्रमुख अंग बनाना	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(c) (क) और (ख)	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(d) प्रकृतिमय जीवन-पद्धति अपनाने का	1
	(x)	(x)	(x)	(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।	1
2	2	1	2	**काव्यांश - एक**	5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(d) आकाश में काले बादलों का घिर आना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) हरियाली विहीन प्रांतर का होना	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) ढका हुआ	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) वनस्पतिहीन होने के कारण	1
	(v)	(v)	(v)	(d) मानवीकरण	1
	अथवा	**अथवा**	**अथवा**	**काव्यांश - दो**	
	(i)	(i)	(i)	(c) समस्त विश्व में प्रेम-प्रसार करने की	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(a) आदमी में विद्यमान अवगुण	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(d) शांति, अहिंसा, ईमानदारी और विश्व-बंधुत्व का	1

ZOLLEGE.in

	(iv) (v)	(iv) (v)	(iv) (v)	(d) नियंत्रित (a) रूपक	1 1
3	**3**	**3**	**3**		**5x1=5**
	(i) - - (ii) - - (iii) (iv) (v)	- (i) - (iii) (ii) - (iv) - (v)	(iii) - (i) (iv) - (ii) - - (v)	(b) शूट करते समय खुद-ब-खुद रिकार्ड होने वाली आवाज़ को (a) इसे आप धीरे - धीरे आराम से पढ़ सकते हैं (a) पाठकों के भाषा, ज्ञान, शैक्षिक - योग्यता का ध्यान रखा जाता है (a) उलटा पिरामिड शैली (d) तहलका डॉट कॉम (a) प्राप्त खबरों को समाचार - पत्र में प्रकाशित करने योग्य बनाना (d) एंकर बाइट (a) पूर्णकालिक पत्रकार (a) क्या, कौन, कब, कहाँ	1 1 1 1 1 1 1 1 1
4	**4**	**5**	**4**		**5x1=5**
	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	(c) क्षण में होने वाली रोपाई का (a) साहित्य कालजयी होता है (b) साहित्य से प्राप्त आनंद के अनंतकाल तक बने रहने के कारण (d) अनुभूति को शब्द-बद्ध करना (c) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द-बद्ध होती है	1 1 1 1 1
5	**5**	**4**	**5**		**5x1=5**
	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	(c) संपत्ति की रक्षा करना (a) बिना कहे ही पिता के घर जाने के लिए कहना (c) खुशियों का दुख में बदल जाना (a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है । (b) केवल (ख)	1 1 1 1 1
6	**6**	**6**	**6**		**10x1=10**
	(i) - - (ii) - -	- (i) - (iv) (ii) -	- - (i) (iv) - (ii)	(a) समाज में बदलते जीवन-मूल्यों पर (d) स्वयं ही योगासन करना (d) अपना जीवन मौज-मस्ती में व्यतीत करने के लिए (b) उनके कारण उन्हें दफ्तर में देर तक बैठना पड़ता था (c) वह आलसी और कामचोर था (b) तीन में से एक-न-एक लड़के का सरकारी नौकरी में	1 1 1 1 1 1

ZOLLEGE.in

				आने के विश्वास के कारण	
	(iii)	(v)	(v)	(b) जूनियरों के साथ मनोरंजक बात करना	1
	-	(iii)	-	(b) पत्थर और ताँबे के	1
	-	-	(iii)	(a) सिंधु घाटी सभ्यता स्वयं अनुशासित सभ्यता थी	1
	(iv)	-	-	(a) पिता के गुस्सैल स्वभाव के कारण	1
	(v)	(vi)	(vi)	(c) ईख पेरने के लिए कोल्हू चलने लगते थे	1
	(vi)	(vii)	(vii)	(b) क्योंकि उसका नाम रजिस्टर से कटा नहीं था	1
	(vii)	(viii)	(viii)	(a) लड़कों द्वारा खिल्ली उड़ाये जाने के कारण	1
	(viii)	-	-	(b) ताम्र-काल के शहरों में	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(a) राजस्थान के गाँव कुलधरा की	1
	(x)	(x)	(x)	(b) कथन (A) सही है और (ख) और (ग) कारण (R) उसकी सही व्याख्या करते हैं	1
				खंड 'ब' **(वर्णनात्मक प्रश्न)**	
7	**7**	**9**	**7**	**(किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख)**	**6**
				प्रारंभ, समापन	1
				विषयवस्तु	3
				प्रस्तुति	1
				भाषा	1
8	**8**	**7**	**8**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**(क)**	**(क)**	**समानताएँ -** ▯ दोनों का केंद्र बिंदु कथानक होता है ▯ पात्र और परिवेश होते है ▯ पात्रों के मध्य द्वंद्व होता है ▯ कथानक का क्रमिक विकास होता है ▯ कथा एक उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ती है **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)** **असमानताएँ -** ▯ प्रायः कहानी की संरचना छोटी एवं नाटक की बड़ी होना ▯ कहानी श्रव्य विधा एवं नाटक दृश्य ▯ कहानी को पढ़कर प्रस्तुत किया जाना, नाटक का अभिनय के द्वारा मंचन ▯ कहानी को किसी भी शैली में प्रस्तुत किया जाना, नाटक की केवल संवाद शैली में ही प्रस्तुति संभव ▯ कहानी का लेखक तथा पाठक से जुड़ना, नाटक का लेखक, निर्देशक, पात्र, दर्शक, श्रोता तथा	**1½+1½=3**

ZOLLEGE.in

				अन्य कई लोगों को एक - दूसरे से जोड़ना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	▯ रेडियो पूरी तरह श्रव्य माध्यम ▯ सभी कुछ संवादों और ध्वनि प्रभावों के माध्यम से संप्रेषित करना ▯ सिनेमा और रंगमंच की तरह इसमें विजुअल्स का न होना ▯ मंच-सज्जा, वस्त्र-सज्जा और चेहरे की भाव-भंगिमाओं का न होना ▯ कहानी का परिचय, द्वन्द्व, समाधान सब कुछ आवाज के माध्यम से ही करना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	▯ समय और स्थान ▯ कथाक्रम और विकास ▯ कथानक के अनुसार दृश्यों के औचित्य पर विचार ▯ विवरणात्मक टिप्पणियों को प्रस्तुत करने के लिए दृश्य तैयार करना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
9	**9**	**8**	**9**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x4=8**
	(क)	**(क)**	**(क)**	मुद्रित माध्यम **विशेषताएँ -** ▯ स्थायित्व होना ▯ लंबे समय तक सुरक्षित रखना ▯ सुविधानुसार बार-बार पढ़ सकना ▯ चिंतन-मनन करके संतुष्टि ▯ अपनी रुचि के अनुसार किसी भी खबर को पहले अथवा बाद में पढ़ सकना ▯ जटिल शब्दों के अर्थ शब्दकोश में से देख सकना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**1+3=4**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विभिन्न रूप **पत्रकार के प्रकार -** ▯ पूर्णकालिक - किसी समाचार संगठन के नियमित	**1+3=4**

ZOLLEGE.in

				वेतनभोगी ▯ अंशकालिक - एक निश्चित मानदेय पर काम करने वाले ▯ फ्रीलांसर (स्वतंत्र पत्रकार) - भुगतान के आधार पर अलग - अलग समाचार पत्र के लिए काम करने वाले	
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	'उल्टा पिरामिड शैली' समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली इसमें सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना (क्लाइमैक्स) पिरामिड के सबसे ऊपरी हिस्से में होना 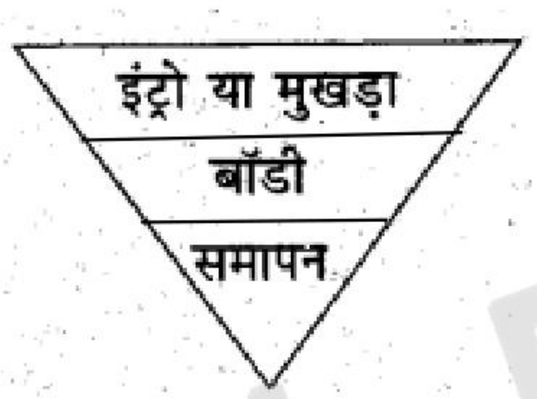 **मानक शैली बनने के कारण -** ▯ अमेरिका में गृहयुद्ध के दौरान संवाददाता द्वारा खबरें टेलीग्राफ संदेशों के जरिये भेजना ▯ सेवाओं का महंगा, अनियमित और दुर्लभ होना ▯ तकनीकी कारणों से कभी-कभी सेवाओं का ठप्प हो जाना ▯ खबरों को विस्तार की बजाए संक्षेप में भेजने के लिए 'उल्टा पिरामिड शैली' का विकास ▯ लेखन और संपादन की सुविधा **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**3**
10	**10**	**10**	**10**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**-**	**-**	▯ खट्टा - मीठा संबंध ▯ जगजीवन से पूरी तरह निरपेक्ष रहना संभव नहीं ▯ कवि का संसार के साथ प्रीति-कलह का संबंध, जीवन विरूद्धों / विरोधों का सामंजस्य	**1½+1½-3**
	-	**(क)**	**-**	▯ भ्रातृ - शोक में डूबे राम का साधारण मनुष्य की तरह विलाप करना ▯ भाई के बिछड़ने के भय से पिता के वचन न मानने की बात कहना	**3**

ZOLLEGE.in

				▯ नारी की हानि को विशेष क्षति नहीं बताना ▯ भाई के बिना अयोध्या में अपयश सहने का भय ▯ लक्ष्मण का अपने प्रति अनुराग याद दिलाकर उसे जागृत करने का प्रयास **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	
-	-	**(क)**		▯ पथिक को लक्ष्य तक पहुँचने की चिंता ▯ चिड़िया के बच्चों का भोजन की आशा में नीड़ों से झाँकना ▯ चिड़िया की अपने भूखे-प्यासे बच्चों तक पहुँचने की शीघ्रता ▯ एकाकी जीवन बिता रहे कवि का व्याकुल और व्यथित मन **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
(ख)	-	-		▯ कविता में चिड़िया की उड़ान का सीमित होना तथा कल्पना की उड़ान असीमित होना ▯ कविता के खेल में जड़, चेतन, अतीत, वर्तमान और भविष्य सभी का उपकरण मात्र होना ▯ कविता का कालजयी होना	**3**
-	**(ख)**	-		▯ कविता फूलों के समान खिलती, महकती और लोगों को आनंदित करती है ▯ यह कालजयी होती है जबकि फूल के खिलने के साथ उसकी परिणति (मुरझाना) निश्चित है ▯ कविता को फूल के खिलने-महकने की प्रक्रिया से जोड़ा गया है फूल कविता के कालजयी होने के मर्म को समझ नहीं सकते	**3**
	-	-	**(ख)**	▯ बच्चों द्वारा अपने-पराये का कोई अंतर न रखकर सभी को अपना मानना ▯ कवि द्वारा बाल क्रीड़ाओं में मिलने वाले आनंद की अनुभूति को समझना ▯ समाज में आपसी भेदभाव भुलाकर समानता की भावना प्रसारित करना	**1+1+1=3**

ZOLLEGE.in

	(ग)	-	-	• किसानों के पास खेती, भिक्षुक के पास भीख, व्यापारी के पास व्यापार और नौकर के पास नौकरी न होना • जीविकाविहीन होने के कारण अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण करने की सोच में डूबे रहना • दरिद्रता और भुखमरी का शिकार होना	3
	-	(ग)	-	• व्यावसायिक दृष्टि से लाभ की प्राप्ति करना • दर्शकों की भरपूर संवेदना प्राप्त पर अपने चैनल की लोकप्रियता (टी.आर.पी.) बढ़ाना • सामाजिक कार्यक्रम के नाम पर लोगों के दु:ख-दर्द बेचना	3
	-	-	(ग)	• गरमी से तपती-झुलसती धरती को नया जीवन मिलना • धरती के भीतर सोए अंकुरों का नवजीवन की आशा में सिर ऊँचा करके बादलों की उपस्थिति दर्ज कराना • छोटे-छोटे पौधों का हँसते हुए हाथ हिला-हिलाकर बादलों को बुलाते प्रतीत होना	3
11	**11**	**11**	**11**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x2=4**
	(क)	**-**	**-**	• संध्या के समय काले-काले बादलों के बीच उड़ते सफ़ेद बगुलों की पंक्ति के सुरमई / सुंदर दृश्य को माया के समान आकर्षक मान उसके आकर्षण में बँध जाना	**2**
	-	(क)	-	• शरारती बच्चा जैसे किसी की पकड़ में नहीं आता वैसे ही विभिन्न अलंकारों, क्लिष्ट शब्दावली - युक्त कविता (बात) बहुत कोशिशों के बावजूद समझ में नहीं आती	**2**
	-	-	(क)	• बार-बार प्रयास करने पर भी समय के अभाव में अपाहिज और दर्शक दोनों को एक-साथ रुला न पाने की असमर्थता के कारण	**2**

ZOLLEGE.in

	(ख)	**-**	**-**	▯ क्रांति के परिणामस्वरूप अपनी संपत्ति एवं सत्ता के छिन जाने के भय से अपने भवनों मे आतंकित होकर रहना	**2**
	-	**(ख)**	**-**	▯ खरगोश की लाल आँखों से ▯ शरदकालीन सुबह का लालिमा युक्त, मोहक एवं सौंदर्य से पूर्ण होना	**1+1=2**
	-	**-**	**(ख)**	▯ अलंकार, छंद-रस, शब्द-शक्ति आदि से भाषा को सजाना ▯ लाक्षणिकता / प्रतीकात्मकता का प्रयोग करना	**2**
	(ग)	**-**	**-**	▯ सूर्योदय के ठीक पहले का, जब रात का अंधकार गायब हो रहा है और सूर्य की लालिमा क्षितिज पर प्रकाश फैला रही है **तुलना का आधार -** ▯ रात और भोर के बदलते रंगों की साम्यता के आधार पर	**1+1=2**
	-	**(ग)**	**-**	▯ जीवन में धन-संग्रह की भावना को तुच्छ मानना ▯ सम्पूर्ण विश्व का भौतिकतावादी मानसिकता से ग्रस्त होना एवं कवि द्वारा उस वैभव और समृद्धि को ठुकराना	**2**
	-	**-**	**(ग)**	▯ कजरारे बादलों के बीच तैरती साँझ की श्वेत काया के समान बगुलों की पंक्ति द्वारा हृदय पर पड़ने वाले प्रभाव का चित्रण ▯ कवि का सब-कुछ भूलकर, उस दृश्य में अटका रह जाना	**2**
12	**12**	**12**	**12**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**-**	**-**	▯ भारत की स्वतंत्रता के 50 से अधिक वर्ष बीत जाने पर भी देश को भ्रष्टाचार और स्वार्थ से मुक्ति नहीं मिल पाना ▯ गरीबों का गरीब ही रह जाना और अमीर का निरंतर अमीर होते चले जाना ▯ सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का	**3**

ZOLLEGE.in

				गरीबों तक न पहुँच पाना	
	-	(क)	-	▯ कठोरता के साथ कोमलता का भाव होना । स्वयं कष्ट सहकार दूसरों के लिए जीने की प्रवृत्ति ▯ शिरीष वृक्ष का गर्मी, सर्दी, बरसात-सभी में शांत बने रहना तथा पल्लवित और पुष्पित होना ▯ अवधूत पर भी सांसारिक परिस्थितियों का कोई प्रभाव नहीं पड़ना तथा जन-कल्याण व ईश्वरीय भक्ति के आनंद मे लीन रहना ▯ गांधीजी जी का अंग्रेजों द्वारा भारतीयों पर किए जाने वाले अन्याय, हिंसा के खिलाफ डटकर खड़े रहना	3
	-	-	(क)	▯ तीन-तीन बेटियों को जन्म देने के कारण सास और जिठानियों की उपेक्षा सहना ▯ जिठानियों द्वारा बैठकर लोकचर्चा करना और उनके कलूटे लड़कों द्वारा धूल उड़ाना जबकि भक्तिन और उसकी बेटियों द्वारा मट्ठा फेरना, कूटना, पीसना, राँधना, गोबर उठाना, कंडे पाथना आदि कार्य करना ▯ भोजन में जिठानियों के लड़कों को दूध-मलाई, राब-चावल खाने को मिलना, जबकि भक्तिन और उसकी बेटियों को काले गुड़ की डली के साथ कठौती में मट्ठा और चने-बाजरे की घुघरी ही खाने को मिलना	3
(ख)	-	-		▯ एक विधवा महिला का वर्चस्व भक्तिन के ससुराल वालों को स्वीकार्य नहीं होना ▯ पति और दामाद की मृत्यु के बाद भक्तिन के जेठ द्वारा छल-कपट का सहारा लेकर अपने साले के बड़े लड़के को उसकी विधवा बेटी के पति-रूप में पंचायत की मदद से थोपना ▯ जबरन थोपे गए दामाद द्वारा भक्तिन की यत्न से सहेजी गई सारी संपत्ति उड़ा देना ▯ लगान अदा न कर पाने पर जमींदार द्वारा उसे दिन भर धूप में खड़े रहने की सजा का कर्मठता में सबसे बड़ा कलंक बनना	3

ZOLLEGE.in

			• पूरी तरह से समाज और पंचायत द्वारा ठगे जाने पर कमाई की दृष्टि से भक्तिन का शहर आना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	
-	(ख)	-	**दुर्गति का कारण -** • राजा साहब की मृत्यु के पश्चात सत्ता का उनके पुत्र के हाथों में आना • कुश्ती जैसे पारंपरिक खेलों में उसकी कोई रुचि न होना **संकेत -** • सत्ता परिवर्तन केवल शासन के बदले जाने का ही नाम न होकर लोक कलाओं और कलाकारों का भी अप्रासंगिक हो जाना	1½+1½=3
-	-	(ख)	आत्मबल की **आत्मबल से युक्त व्यक्ति की विशेषताएँ** • सांसारिक आकर्षणों के लिए कोई तृष्णा न होना • संचय, लालच और दिखावे से दूर होना **(कोई एक बिंदु अपेक्षित)** **आत्मबल से हीन व्यक्ति की विशेषताएँ** • संयम का अभाव • ईर्ष्या-द्वेष और संचय की प्रवृत्ति **(कोई एक बिंदु अपेक्षित)**	1+1+1=3
(ग)	-	-	• जेब भरी और मन खाली होने वाले या जेब खाली और मन भरा न होने वाले लोगों पर • जादू के चढ़ने पर सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाले मालूम होना और सभी का खरीद लिया जाना • जादू के उतरने पर पता चलना कि फैंसी चीजों की अधिकता का आराम में मदद न देकर खलल ही डालना	1+1+1=3
-	(ग)	-	**अंतिम उपाय -** • गाँव के बच्चों की इंदर सेना / मेंढक मंडली द्वारा घर-घर जाकर पानी माँगना	1+1+1=3

ZOLLEGE.in

				- लेखक को पानी की कमी होने पर भी, कठिनाई से इकठ्ठा किया हुआ पानी लड़कों पर फेंकना-पानी की निर्मम बर्बादी लगना - इसे पाखंड और अंधविश्वास मानना **जीजी का तर्क -** - इसे पानी की बरबादी नहीं, बल्कि पानी का अर्घ्य मानना - दान-पुण्य में त्याग का महत्त्व मानना	
	-	-	(ग)	जनमानस में व्याप्त अंधविश्वासों को देखकर **मन में उठने वाले प्रश्न -** - हम आज देश के लिए करते क्या हैं ? - हम भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं ? (अपने अधिकारों की तरह कर्तव्यों के प्रति कब जागरूक होंगे ?) - भ्रष्टाचार से व्याप्त देश की स्थिति कब बदलेगी? **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**1+2=3**
13	**13**	**13**	**13**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x2=4**
	(क)	**-**	**-**	- मृत्यु के पश्चात चिता पर चित नहीं, पेट के बल सुलाना - चिता सुलगाने के समय ढोलक बजा देना	**2**
	-	**(क)**	**-**	- जरूरत के समय लोगों के काम आना - आवश्यकता का सामान उपलब्ध कराना - भगत जी जैसे लोग, जिनपर बाजार का जादू असर नहीं करता ।	**1+1=2**
	-	**-**	**(क)**	- महामारी फैलने के बाद गाँव का भयार्त शिशु की तरह काँपना - चारों ओर अंधेरा और निस्तब्धता छाना - सियारों का क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज आना - झोंपड़ियों से कराहने और कै करने की आवाज आना - 'हरे राम ! हे भगवान !' की टेर सुनाई देना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**

ZOLLEGE.in

	(ख)	-	-	• जरा और मृत्यु - दोनों ही जगत के अतिपरिचित और अतिप्रमाणिक सत्य • बदलती परिस्थितियों के अनुसार अपने जीवन में भी बदलाव को स्वीकारना	2
	-	(ख)	-	• महादेवी जी के प्रति अपनी कर्तव्यनिष्ठा • सेविका के रूप में समर्पण भाव • जहाँ स्वामी, वहीं सेवक वाली सोच • महादेवी की सुख-सुविधाओं का ध्यान रखने का भाव **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	-	-	(ख)	• शिरीष के वृक्ष की भाँति देश में व्याप्त मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर के बवंडर के बीच अपने आत्मबल के सहारे अविचल खड़े रहना • एक अनासक्त योगी की तरह अंग्रेजों का डटकर सामना करना **(कोई एक बिंदु अपेक्षित)**	1+1=2
	(ग)	-	-	**कोमल -** • स्वयं कष्ट सहकर दूसरों के लिए जीने की प्रवृत्ति • इच्छा होने पर भी भक्तिन को अपनी सेवा से हटा न पाना • स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर भी भक्तिन का अवज्ञा से हँस देना • छाया की तरह लेखिका के सुख-दु:ख में साथ रहना • संबंधों में आत्मीयता **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	-	(ग)	-	• हिलते-डुलते रहना • स्थान बदलते रहना • ऊर्ध्वमुखी होना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2

ZOLLEGE.in

	-	-	(ग)	▯ " रोटियाँ अच्छी सेंकने के प्रयास में कुछ अधिक खरी हो गई हैं, पर अच्छी हैं " - कहना ▯ तरकारियाँ थीं, पर जब दाल बनी है, तब उनका क्या काम, तर्क देकर - शाम को दाल न बनाकर सिर्फ तरकारी बना देना ▯ स्वयं को अनाड़िन या फूहड़ न मानना ▯ "ससुर, अजिया ससुर, अजिया सास आदि ने उसकी पाक-कुशलता के लिए अनेक मौखिक प्रमाण-पत्र दिए" कहकर पाक-कुशलता सिद्ध करना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**

****

ZOLLEGE.in

ZOLLEGE.in